2017

HINDI

(Modern Indian Language)

(Hindi Kavya-Dhara)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) कबीरदास निर्गुण भक्तिधारा के अंतर्गत किस शाखा के कवि हैं?

(ख) तुलसीदास की मुख्य काव्य-भाषा क्या है?

(ग) हिन्दी के किस कवि को 'राष्ट्रकवि' कहा जाता है?

(घ) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित पाठ्य कविता का नाम क्या है?

(ङ) 'लोकायतन' महाकाव्य के रचयिता कौन हैं?

(च) 'पतझर' कविता के कवि कौन हैं?

(छ) 'दिनकर' का सम्पूर्ण नाम क्या है?

2. अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) 'बरगीत' किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पुष्प की अभिलाषा' नामक कविता में कवि ने पुष्प की किस अभिलाषा के बारे में कहा है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'प्रज्वलित वह्नि' का आशय क्या है?

(घ) कवि हरिवंश राय 'बच्चन' किस प्रकार का संदेश लिए फिरते हैं?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) 'गोकुल लीला' के आधार पर बाल-कृष्ण का सौन्दर्य-वर्णन कीजिए।

(ख) तुलसीदास की 'दोहावली' के आधार पर तुलसी की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'चित्रकूट में सीता' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(घ) 'तोड़ती पत्थर' कविता में चित्रित मजदूरिन का वर्णन कीजिए।

(ङ) कवि ने जगत के जीर्ण पत्रों को जल्दी झरने के लिए क्यों कहा है?

4. 'अशोक की चिंता' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'बीन भी हूँ' कविता के आधार पर महादेवी वर्मा के आत्मा-परमात्मा संबंधी चिंतन का परिचय दीजिए।

5. विद्यापति की साहित्यिक देन पर एक सार-गर्भित लेख प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के जीवन और साहित्य का परिचय दीजिए।

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) पतियाँ मैं कैसे लिखूँ, लिख्योरी न जाय।
कलम धरत मेरो कर कँपत है नैन रहै झड़ लाय।
बात कहुँ तो कहत न आवै, जीव रह्यो डरराय।
बिपत हमारी देख तुम चाले, कहिया हरिजी सूँ जाय।
मीराँ के प्रभु गिरिधर नागर, चरण ही कँवल रखाय।

अथवा

(ख) मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज मन के उपहार लिए फिरता हूँ,
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता,
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ!

★★★